INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RSSB

LDC

लिपिक ग्रेड – II, एवं कनिष्ठ सहायक

भाग – I

हिंदी एवं अंग्रेजी

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स ***"RSSB LDC (लिपिक ग्रेड-II एवं कनिष्ठ सहायक)"*** *को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को* ***राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB)*** *द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा* ***"LDC (लिपिक ग्रेड-II एवं कनिष्ठ सहायक)"*** *में पूर्ण संभव मदद करेंगे।*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : https://www.infusionnotes.com

WhatsApp - https://wa.link/lrn74q

Online Order - http://surl.li/rbhbb

मूल्य : (₹)	संस्करण : नवीनतम (2024)

	हिन्दी	
क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ
1.	संधि एवं संधि विच्छेद	1
2.	सामासिक पदों की रचना और समास – विग्रह	13
3.	उपसर्ग	28
4.	प्रत्यय	33
5.	पर्यायवाची शब्द	41
6.	विपरीतार्थक (विलोम) शब्द	52
7.	अनेकार्थक शब्द	65
8.	शब्द - युग्म	66
9.	संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाना	76
10.	शब्द शुद्धि	79
11.	वाक्य-शुद्धि	85
12.	वाच्य	90
13.	क्रिया	92
14.	वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द	94
15.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	107
16.	अंग्रेजी के पारिभाषिक : प्रशासनिक शब्दावली	120
17.	अनुवाद (रूपांतरण)	135
18.	कार्यालयी पत्र	141

	English	
S.No.	Chapter	P. No.
1.	Time And Tense	143
2.	Active and passive Voice	157
3.	Direct & Indirect Narration	163
4.	Transformation	169
5.	Use of Article	177
6.	Preposition	191
7.	Translation	212
8.	Correction of sentences ❖ Verb ❖ Adverb ❖ Noun ❖ Pronoun ❖ Subject and Verb Agreement ❖ Adjective ❖ Conjunction ❖ The Interjections	212
9.	Synonyms and Antonyms	261
10	One Word Substitution	278
11.	Prefixes and Suffixes	286
12.	Words often Confused or Misused	289
13.	Reading Comprehension	292
14.	Letter writing	303

अध्याय – I

संधि एवं संधि विच्छेद

परिभाषा :- दो वर्णों के परस्पर मेल से उच्चारण और लेखन में जो परिवर्तन होता है उसे संधि कहते हैं अर्थात् प्रथम शब्द का अंतिम वर्ण और दुसरे का प्रथम वर्ण मिलकर उच्चारण और लेखन में जो परिवर्तन करते हैं । उसे संधि कहते हैं।

संधि –

1. आदेश :- किसी वर्ण के स्थान पर कोई दुसरा वर्ण आ जाये तो-

   जगत्+ईश = जगदीश

   वाक्+ईश = वागीश

2. आगम – अनु+छेद = अनुच्छेद

   च्

3. लोप – अतः+एव = अतएव

4. प्रकृतिभाव - मनः+कामना = मनःकामना

संयोग – प्रथम शब्द का अंतिम वर्ण और दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण मिलकर उच्चारण और लेखन में कोई परिवर्तन नहीं कर पाए तो उसे संयोग कहते हैं ।

उदाहरण : - युग + बोध = युगबोध

संधि के भेद – संधि के तीन भेद होते हैं -

1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

स्वर संधि – दो स्वरों के परस्पर मेल को संधि कहते हैं।

स्वर संधि पाँच प्रकार की होती हैं :-

1. दीर्घ स्वर संधि
2. गुण स्वर संधि
3. वृद्धि स्वर संधि
4. यण् स्वर संधि
5. अयादि स्वर संधि

हिंदी में अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औं, ऋ, कुल ।। स्वर होते हैं ।

1. **दीर्घ स्वर संधि** - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर (अ, इ, उ) के बाद समान ह्रस्व (अ, इ, उ) या दीर्घ स्वर आये तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं ।

   उदा. अ/आ + अ/आ = आ

   इ/ई + इ/ई = ई

   उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ

(I) **अ +अ =आ**

अंत्य + अक्षरी = अंत्याक्षरी

अंध + अनुगामी = अंधानुगामी

अधिक + अंश = अधिकांश

अधिक + अधिक = अधिकाधिक

अस्त + अचल = अस्ताचल

आग्नेय + अस्त्र = आग्नेयास्त्र

उत्तर + अधिकार = उत्तराधिकार

उदय + अचल = उदयाचल

उप + अध्याय = उपाध्याय

उर्ध्व + अधर = उर्ध्वधर

ऊह + अपोह = ऊहापोह

काम + अयनी = कामायनी

गत + अनुगतिक = गतानुगतिक

गीत + अंजलि = गीतांजलि

छिद्र + अन्वेषी = छिद्रान्वेषी

जठर + अग्नि = जठराग्नि

जन + अर्दन = जनार्दन

तथ्य + अन्वेषण= तथ्यान्वेषण

तीर्थ + अटन = तीर्थाटन

दाव + अनल = दावानल

दीप + अवली = दीपावली

दाव + अग्नि = दावाग्नि

देश + अंतर = देशांतर

न्यून + अधिक = न्यूनाधिक

पद + अवनत = पदावनत

पर + अधीन = पराधीन

प्र + अंगन = प्रांगण

प्र + अर्थी = प्रार्थी

भग्न + अवशेष = भग्नावशेष

अ + आ = आ

आम + आशय = आमाशय

गर्भ + आधान = गर्भाधान

अन्य + आश्रित = अन्याश्रित

गर्भ + आशय = गर्भाशय

आर्य + आवर्त = आर्यावर्त

फल + आहार = फलाहार

कंटक + आकीर्ण = कंटकाकीर्ण

छात्र +आवास = छात्रावास

कुश + आसन = कुशासन

जन + आकीर्ण = जनाकीर्ण

खग + आश्रय = खगाश्रय

जना +देश =जनादेश

गमन + आगमन = गमनागमन
भय + आक्रान्त = भयाक्रांत
भय + आनक = भयानक
पित्त + आशय = पित्ताशय
धर्म + आत्मा = धर्मात्मा
भ्रष्ट + आचार = भ्रष्टाचार
मेघ + आलय = मेघालय
लोक + आयुक्त = लोकायुक्त
विरह + आतुर = विरहातुर
विवाद + आस्पद = विवादास्पद
शत + आयु = शतायु
शाक + आहारी = शाकाहारी
शोक + आतुर = शोकातुर
सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
सिंह + आसन = सिंहासन
स्थान + आपन्न = स्थानापन्न
हिम + आलय = हिमालय
जल + आशय = जलाशय
पंच + आयत = पंचायत

आ + अ = आ

क्रिया + अन्वयन = क्रियान्वयन
मुक्ता + अवली = मुक्तावली
तथा + अपि = तथापि
रचना + अवली = रचनावली
दीक्षा + अंत = दीक्षांत
विद्या + अर्जन = विद्यार्जन
द्राक्षा + अरिष्ट = द्राक्षारिष्ट
श्रद्धा + अंजलि = श्रद्धांजलि
द्राक्षा + अवलेह = द्रक्षावलेह
सुधा + अंशु = सुधांशु
निशा + अंत = निशांत
द्वारका + अधीश = द्वारकाधीश
पुरा + अवशेष = पुरावशेष
महा + अमात्य = महामात्य

आ + आ = आ

कारा + आगार = कारागार
कारा + आवास = कारावास
कृपा + आकांशी = कृपाकांशी
क्रिया + आत्मक = क्रियात्मक
चिंता + आतुर = चिंतातुर
दया + आनंद = दयानंद
द्राक्षा + आसव = द्राक्षासव
निशा + आनन = निशानन
प्रेक्षा + आगार = प्रेक्षागार
प्रेरणा +आस्पद = प्रेरणास्पद
भाषा + आबद्ध = भाषाबद्ध
महा + आशय = महाशय
रचना + आत्मक = रचनात्मक
वार्ता + आलाप = वार्तालाप
श्रद्धा + आलु = श्रद्धालु

(2) इ / ई + इ /ई = ई

इ + इ = ई

अति + इत = अतीत
अति + इन्द्रिय = अतीन्द्रिय
अति + इव = अतीव
अधि + इन = अधीन
अभि + इष्ट =अभीष्ट
कवि + इंद्र = कविन्द्र
प्रति + इत = प्रतीत
प्राप्ति + इच्छा = प्राप्तीच्छा
मणि + इंद्र = मणीन्द्र
मुनि + इंद्र = मुनीन्द्र
रवि + इंद्र = रवीन्द्र
हरि + इच्छा = हरीच्छा

ई + इ = ई

फणी + इंद्र = फणीन्द्र
महती + इच्छा = महतीच्छा
मही + इंद्र = महींद्र
यती + इंद्र = यतीन्द्र
शची + इंद्र = सुधींद्र

ई + ई =ई

नदी + ईश्वर = नदीश्वर
नारी + ईश्वर = नारीश्वर
फणी + ईश्वर = फणीश्वर
मही + ईश = महीश
रजनी + ईश = रजनीश
श्री + ईश = श्रीश
सती + ईश = सतीश

इ + ई = ई

अधि + ईक्षक = अधीक्षक
अधि + ईक्षण = अधीक्षण
अधि + ईश्वर = अधीश्वर
अभि + ईप्सा = अभीप्सा
कपि + ईश = कपीश
क्षिति + ईश = क्षितीश
गिरी + ईश = गिरीश

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

परि + ईक्षित = परीक्षित
परि + ईक्षा = परीक्षा
प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा
प्रति + ईक्षित =प्रतीक्षित
मुनि + ईश्वर = मुनीश्वर
वारि + ईश = वारीश
वि + ईक्षक = वीक्षक
हरि + ईश = हरीश

दीर्घ संधि के अपवाद –

शक + अन्धु = शकंधु
कर्क + आन्धु = कर्कन्धु
पितृ + ऋण = पितृण
मातृ + ऋण = मातृण

(2) गुण स्वर संधि : -

अ /आ + इ/ई =ए
अ /आ + उ / ऊ = ओ
अ / आ + ऋ = अर्

नियम :- 1. यदि अ / आ के बाद इ / ई आऐ तो दोनों के स्थान पर 'ए ' हो जाता है ।

जैसे – अ / आ + इ / ई = ए

2. यदि अ / आ के बाद उ / ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है ।

जैसे – अ / आ + उ /ऊ =ओ

3. यदि अ / आ के बाद 'ऋ' आए तो दोनों के स्थान पर 'अर् 'हो जाता है ।

जैसे – अ / आ + ऋ = अर्

अ + इ = ए

अंत्य + इष्टि = अंत्येष्टि
अल्प + इच्छा = अल्पेच्छा
इतर + इतर = इतरेतर
उप + दिष्टा = उपदेष्टा
कर्म + इन्द्रिय = कर्मेन्द्रिय
गज + इंद्र = गजेन्द्र
जित + इन्द्रिय = जितेन्द्रिय
देव + इंद्र = देवेन्द्र
न + इति = नेति
प्र + इषिति = प्रेषिति
भारत + इंदु = भारतेंदु
भोजन + इच्छुक = भोजनेच्छुक
मम + इतर = ममेतर
मत्स्य + इंद्र = मत्स्येन्द्र
मानव + इतर = मानवेतर
मृग + इंद्र = मृगेन्द्र
योग + इंद्र = योगेंद्र
वाच + इतर = वाचेतर
शब्द + इतर = शब्देतर
शुभ + इच्छा = शुभेच्छु
साहित्य + इतर = साहित्येतर
स्व + इच्छा = स्वेच्छा
हित + इच्छा = हितेच्छा

अ + ई = ए

अंक + ईक्षण = अंकेक्षण
अप + ईक्षा = अपेक्षा
उप + ईक्षा = अपेक्षा
नर + ईश = नरेश
परम + ईश्वर = परमेश्वर
प्र + ईक्षक = प्रेक्षक
योग + ईश्वर = योगेश्वर
सर्व + ईश्वर = सर्वेश्वर
सिद्ध + ईश्वरी = सिद्धेश्वरी

आ + इ = ए

महा + इंद्र = महेंद्र
यथा + इच्छा = यथेच्छ
यथा + इष्ट = यथेष्ट
रसना + इन्द्रिय = रसनेन्द्रिय
सुधा + इंदु = सुधेंदु

आ + ई = ए

गुडाका + ईश = गुडाकेश
महा + ईश्वर = महेश्वर
रमा + ईश = रमेश
राका + ईश = राकेश

अ / आ + उ /ऊ = ओ

अ+ उ = ओ
अंत्य + उदय = अंत्योदय
अतिशय + उक्ति = अतिश्योक्ति
अन्य + उक्ति = अन्योक्ति
अन्य + उदर = अन्योदर
अन्यान्य + उपाय = अन्यान्योपय
अवसर + उचित = अवसरोचित
आत्म + उत्सर्ग = आत्मोत्सर्ग
आद्य + उपांत = आद्योपांत
आनंद + उत्कर्ष = आंन्दोत्कर्ष
उत्तर + उत्तर = उत्तरोतर
कथ + उपकथन = कथोपकथन
ग्राम + उत्थान = ग्रामोत्थान
चरम + उत्कर्ष = चरमोत्कर्ष

ओ + इ = अवी

गो + अक्षि / अक्ष = गवाक्ष

गो + ईश = गवीश

गो + य = गव्य

पो + अन = पवन

भो + अन = भवन

हो + अन = हवन

औ + अ = आव

पौ + अन = पावन

भौ + अ = भाव

भौ + अक = भावक

भौ + अना = भावना

शौ + अक = शावक

औ + इ = आवि

शौ + अ=इक = शाविक

औ + उ = आवु

भौ + उक = भावुक

(2) व्यंजन संधि

व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं ।

नियम : - यदि किसी अघोष व्यंजन(वर्ग का पहला व दूसरा वर्ण) के बाद कोई घोष व्यंजन (वर्ग का तीसरा, चौथा, पांचवा, वर्ण तथा य,र, ल,व,ह (अंतःस्थ वर्ण) या कोई स्वर आये तो वर्ग का पहला वर्ण, तीसरे वर्ण में बदल जाता है ।

जैसे : -

क्	+ घोष वर्ण	ग्
च्		ज्
ट्		ड़
त्		द
प्		ब

षट् + आनन = षडानन

षट् + दर्शन = षड्यंत्र

उदाहरण :-

दिक् + अम्बर = दिगंबर

दिक् + अंत = दिगंत

दृक + अंचल = दृग्गचल

वाक् + ईश = वागीश

प्राक् + ऐतिहासिक = प्रागैतिहासिक

दिक् +गज = दिग्गज

दिक् + ज्ञान = दिग्ज्ञान

वाक् + जाल = वाग्जाल

वाक् + दत्ता = वाग्दत्ता

वाक् + दान = वाग्दान

चित् + रूप = चिद्रूप

सत् +रूप = सद्रूप

चित् + विलास = चिद्विलास

वाक् + देवी = वाग्देवी

सम्यक् + दर्शन = सम्यग्दर्शन

दिक् + बोध = दिग्बोध

दिक् + भ्रम = दिग्भ्रम

ऋक् +वेद = ऋग्वेद

दिक् + विजय = दिग्विजय

सम्यक् + वाणी = सम्यग्वाणी

दिक् + हस्ती = दिग्हस्ती

वाक् + हरि = वग्हरि

अच् + अंत = अजंत

विराट् + आकार = वीराडाकार

षट् + अंग = षडंग

अप् + ज = अब्ज

अप् + द = अब्द

अप् + धि = अब्धि

जगत् + अंबा = जगदंबा

चित् + अणु = चिदणु

चित् + आकार = चिदाकार

जगत् + आत्मा = जगदात्मा

वृहत् + आकार = वृहदाकर

सत् + आचार = सदाचार

सत् + आत्मा = सदात्मा

सत् + आनंद = सदानंद

सत् + आशय = सदाशय

सत् + इच्छा = सदिच्छा

जगत् + ईश = जगदीश

सत् + उपयोग = सदुपयोग

सत् + उपदेश = सदुपदेश

सत् + गति = सद्गति

जगत् + गुरु = जगद्गुरु

सत् + गुण = सद्गुण

पोत् + दार = पोद्दार

विद्युत् + धारा = विद्युद्धारा

सत् + धर्म = सद्धर्म

नियम : -(2) यदि वर्ग के प्रथम वर्ण (क्, च्, ट्, त्, प्) के बाद न् या म् आए तो प्रथम वर्ण अपने ही वर्ग के पाँचवें वर्ण में बदल जाता है ।

मनः + ज = मनोज
मनः + दशा = मनोदशा
मनः + धारा = मनोधारा
मनः + बल = मनोबल
मनः + भाव = मनोभाव
मनः + मंथन = मनोमंथन
मनः + रथ = मनोरथ
मनः + रम = मनोरम
शिरः + धार्य = शिरोधार्य
शिरः + भाग = शिरोभाग

नियम (2) :- यदि विसर्ग (:) से पहले 'अ' को छोड़कर अन्य कोई स्वर तथा विसर्ग के बाद किसी भी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा या अन्तस्थ वर्ण या कोई स्वर आए तो विसर्ग का 'र' हो जाता है ।

इः / ईः/उः + घोष व्यंजन = विसर्ग
आयुः + वेद = आयुर्वेद
आविः + भाव = आविर्भाव
आविः + भूत = आविर्भूत
आशीः + वाद = आशीर्वाद
चतुः + दिशा = चतुर्दिशा
धनुः + ज्ञान = धनुर्ज्ञान
धनुः + वेद = धनुर्वेद
प्रादुः + भाव = प्रादुर्भाव
बहिः + भाग = बहिर्भाग
बहिः + मुखी = बहिर्मुखी
स्वः + ग = स्वर्ग(अपवाद)
धनुः + धनुर्धारी

नियम (3) :- यदि इः/उः के बाद क/ ष / म / आए तो विसर्ग का 'ष' वर्ण हो जाता है । **उदाहरण –**

आविः + कार = अविष्कार
चतुः + कोण = चतुष्कोण
चतुः + कष्ठ = चतुष्कष्ठ
आयुः + मती = आयुष्मती
चतुः + पद = चतुष्पद
चतुः + पथ = चतुष्पथ
चक्षुः + मान = चक्षुष्मान
ज्योतिः + मती = ज्योतिष्मती
बहिः + कृत = बहिष्कृत
बहिः + कार = बहिष्कार
वपुः + मान = वपुष्मान

नियम (4) :- 1. यदि विसर्ग के बाद च, छ, श आए तो विसर्ग 'श' में बदल जाता है ।

उदाहरण –
अंतः + चेतना = अंतश्चेतना
आः + चर्य = आश्चर्य
कः + चित् = कश्चित्
तपः + चर्या = तपश्चर्या
पुरः + चरण = पुरश्चरण
मनः + चेतना = मश्चेतना
यशः + शरीर = यशश्शरीर
यशः + शेष = यशश्शेष

2. विसर्ग + मूर्धन्य अघोष व्यंजन (ट) आए तो विसर्ग का 'ष्' हो जाता है ।

उदाहरण –
धनुः + टंकार = धनुष्टंकार

3. यदि विसर्ग + दन्त्य अघोष व्यंजन (त, स) के बाद विसर्ग का 'स' हो जाता है ।

नोटः- : + त = स्त

उदाहरण –
मनः + ताप = मनस्ताप
नमः + ते = नमस्ते
शिरः + त्राण = शिरस्त्राण
चतुः + सीमा = चतुस्सीमा
प्रातः + स्मरण = प्रातस्स्मरण
पुरः + सर = पुरस्सर

नियम (5) :- यदि अः / आः के बाद क / प आए तो विसर्ग का 'स' हो जाता है ।
: + क = स्क

उदाहरण –
तिरः + कार = तिरस्कार
नमः + कार = नमस्कार
पुरः + कार = पुरस्कार
पुरः + कृत = पुरस्कृत
भाः + कर = भास्कर
श्रेयः + कर = श्रेयस्कर
परः + पर = परस्पर
बृहः + पति = बृहस्पति
भाः + पति = भास्पति
वाचः + पति = वाचस्पति

नियम (6) यदि विसर्ग के बाद 'र्' वर्ण आए तो विसर्ग से पहले लघु मात्रा की दीर्घ मात्रा में बदल देते हैं तथा विसर्ग का लोप हो जाता है । **उदाहरण –**

निः + रस = नीरस
निः + रोग = नीरोग
निः + रव = नीरव
दुः + राज = दूराज

देशाटन	-	देश में अटन (भ्रमण)
नीति-निपुण	-	नीति में निपुण
हथकड़ी	-	हाथ में पहनने वाली कड़ी
घर बैठे	-	घर में बैठे
वनमानुष	-	वन में निवास करने वाले मानुष
जीवदया	-	जीवों पर दया
घृतान्न	-	घी में पका हुआ अन्न
कविपुंगल	-	कवियों में श्रेष्ठ

नोट :- तत्पुरुष समास के उपयुक्त प्रकार के अलावा पाँच अन्य प्रकार भी होते हैं, जो नीचे दिए गए हैं ।

1) नञ तत्पुरुष समास :-

जिस समास के पूर्व पद में निषेधसूचक अथवा नकारात्मक शब्द अ, अन्, न, ना, गैर आदि लगे हों, उसे नञ तत्पुरुष समास कहते हैं ।

जैसे :-

समस्त पद	-	विग्रह
अनादर	-	न आदर
अनहोनी	-	न होनी / नहीं
अन्याय	-	न्याय का ना होना
अनागत	-	न आगत
अधर्म	-	धर्म हीन / नहीं जो धर्म
अनादि		आदि रहित
अस्थिर	-	न स्थिर
अज्ञान	-	न ज्ञान
अनिच्छा	-	न इच्छा
अपूर्ण	-	न पूर्ण
अनर्थ	-	अर्थ हीन / नहीं हो जो अर्थ के / बिना अर्थ के
अनश्वर	-	न नश्वर
नीरस	-	न रस
अब्राह्मण	-	न ब्राह्मण
अनुपस्थित	-	न उपस्थित
अज्ञात	-	न ज्ञात
असत्य	-	न सत्य
अनदेखी	-	न देखी
नास्तिक	-	न आस्तिक
अयोग्य	-	न योग्य
असुंदर	-	न सुंदर
अनाथ	-	बिना नाथ के
असंभव	-	न संभव / नहीं हो जो संभव
अनावश्यक	-	न आवश्यक / नहीं हो जो आवश्यक
ना पसंद	-	न पसंद
नावाजिब	-	न वाजिब

[3] कर्मधारय समास (Appositional Compound):-

जिस समास पद का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमान-उपमेय अथवा विशेषण-विशेष्यसंबंध हो, कर्मधारय समास कहलाता है ।

आसानी से समझने के लिए कर्मधारय समास को दो प्रकारों में बांटा गया है ।

इस प्रकार में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद संज्ञा या सर्वनाम अर्थात विशेष्य होता है ।

पहचान:-कर्मधारय समास के विग्रह में "जो" शब्द आता है।

समस्त पद	-	विग्रह
महाकवि	-	महान है जो कवि (व्याख्या :- यहां महान विशेषण तथा कवि विशेष्य है)
महापुरुष	-	महान है जो पुरुष
महौषध	-	महान है जो औषध
पीतसागर	-	पीत (पीला) है जो सागर
नीलकमल	-	नील (नीला) हैजो कमल
नीलांबर	-	नीला है जो अंबर
नीलोत्पल	-	नील (नीला) है जो उत्पल (कमल)
लालमणि	-	लाल है जो मणि
नीलकंठ	-	नीला है जो कंठ
महादेव	-	महान है जो देव
अधमरा	-	आधा है जो मरा
परमानंद	-	परम है जो आनंद
सुकर्म	-	सुंदर है जो कर्म
सज्जन	-	सच्चा है जो जन
लालटोपी	-	लाल है जो टोपी
महाविद्यालय	-	महान है जो विद्यालय
कृष्णसर्प	-	काला है जो सर्प (सांप)
शुभगमन	-	शुभ है जो आगमन

आजाद ख्याल	-	स्वतन्त्र है जो ख्याल

(4) द्विगु समास (Numeral compound):-

जिस समास में उत्तर पद प्रधान होता है तथा पूर्वपद संख्यावाची शब्द होता है, वहीं द्विगु समास होता है।

अर्थ की दृष्टि से द्विगु समास से किसी समूह या समाहार का बोध होता है अर्थात् यह समास समूहवाची या समाहारवाची होता है।

समस्त पद		**विग्रह**
सप्तसिन्धु	-	सात सिन्धुओं का समूह
दोपहर	-	दो पहरों का समूह
त्रिलोक	-	तीनों लोकों का समाहार / तीन लोक
चौराहा	-	चर राहों का समूह/ चार राहों का समाहार
नवरात्र	-	नौ रात्रियों का समूह
सप्तऋषि / सप्तर्षि	-	सात ऋषियों का समूह
पंचमढी	-	पाँच मढ़ियों का समूह
सप्ताह	-	सात दिनों का समूह
त्रिकोण	-	तीन कोणों का समाहार
तिरंगा	-	तीन रंगों का समूह
अठन्नी	-	आठ आनों का समाहार
चवन्नी	-	चार आने का समाहार
चौपाया	-	चार पांव वाला
चौमासा	-	चौ (चार) मासों का समूह
नवरत्न	-	(नव + रत्न) नौ रत्नों का समूह
षट्कोण	-	छः कोणों का समूह
सतरंगी	-	सात रंगो का समूह
चारपाई	-	चार पायों का समूह
तिमंजिल	-	तीन मंजिलों का समूह
तितल्ले	-	तीनों तल्लों का समूह
पंचतंत्र	-	पाँच तन्त्रों का समूह
त्रिवेणी	-	तीनों वेणियों का समूह
चतुष्पद	-	चार पादों का समूह
नवग्रह	-	नौ ग्रहों का समूह
चतुर्दिक	-	चार दिशाओ का समूह
त्रिफला	-	तीन फलों का समूह
त्रिभुवन	-	तीन भवनों का समूह

नोट- प्रायः द्विगु समास के समस्त पद एकवचन की तरह प्रयोग में लाये जाते हैं। जैसेः-

1. षट् रस का आनन्द लेना (शुद्ध) – षट् रसों का आनन्द लेना (अशुद्ध)
2. मैंने पंचतन्त्र (ग्रन्थ) पढा (शुद्ध) - मैंने पंचतन्त्र पढे। (अशुद्ध)
3. शताब्दी (न कि सौ वर्ष)
4. त्रिकोण (तीन कोण वाला एक आकार, न कि तीन कोण)
5. शतदल (सौ या अधिक दलों वाला कमल पुष्प, न कि सौ दल)

आदि शब्द एकवचन संज्ञा के रूप में प्रयोग में आते हैं।

कर्मधारय समास और द्विगु समास में अन्तरः-

द्विगु समास का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है, जो दूसरे पद की गिनती बताता है, जबकि, कर्मधारय समास का एक पद विशेषण होने पर भी संख्यावाचक कभी नही होता है। जैसेः- नवरत्न - नौ रत्नों का समूह (द्विगु समास)

चतुर्वर्ण- चार वर्णों का समूह (द्विगु समास)

पुरुषोत्तम- पुरुषों में जो है उत्तम (कर्मधारय समास)

रक्तोत्पल - रक्त (लाल) है जो उत्पल (कमल) (कर्मधारय समास)

(5) द्वन्द्व (द्वन्द) समास (Copulative Compound):-

जिस समास में दोनों पद प्रधान हो तथा विग्रह करने पर 'और',अथवा, 'या', 'एवं' लगता हो, वहाँ द्वन्द्व समास होते हैं।

पहचान- दोनों पदों के बीच प्रायः योजक चिन्ह (Hyphen) (-) का प्रयोग होता है। इस समास में एक जैसे दो शब्द आएँगे जैसेः- संज्ञा – संज्ञा, क्रिया -क्रिया, विशेषण - विशेषण आदि।

द्वंद्व समास के तीन प्रकार हैं –

(1) इतरेतर द्वंद्व
(2) समाहार द्वंद्व
(3) वैकल्पिक द्वंद्व

1. **इतरेतर द्वंद्व** – इस समास का विग्रह – (और, तथा, एवं, व) योजक चिन्हों का प्रयोग ।

समस्त पद	**-**	**विग्रह**
नदी – नाले	-	नदी और नाले
पाप- पुण्य	-	पाप और पुण्य
सुख - दुःख	-	सुख और दुःख
गुण-दोष	-	गुण और दोष
देश – विदेश	-	देश और विदेश
आगे – पीछे	-	आगे और पीछे

अध्याय – 5

पर्यायवाची शब्द (SYNONYMS)

इसे प्रतिशब्द भी कहते हैं। जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें हम पर्यायवाची शब्द अथवा प्रतिशब्द कहते हैं। हिन्दी में तत्सम पर्यायवाची शब्द ही अधिक पाए जाते हैं जो संस्कृत से हिन्दी में आए हैं। हिन्दी में तद्भव पर्यायवाची शब्दों का अभाव है। कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं -

(अ)		
शब्द		**पर्याय**
अमृत	-	पीयूष, सुधा, अमी
अंग	-	अवयव, भाग, हिस्सा, अंश, खंड।
अग्नि	-	आग, पावक, अनल, वहिन, हुताशन, कृशानु, वैश्वानर।
अनी	-	सेना, फौज, चमू, कटक, दल।
असुर	-	दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस, निशिचर, निशाचर, रजनीचर।
अरण्य	-	जंगल, वन, कानन, विपिन।
अश्व	-	घोड़ा, वाजि, हय, घोटक, तुरग।
अंकुर	-	अँखुआ, कोंपल,कल्ला,नवोद्भिद्।
अंचल	-	पल्ला, पल्लू, आँचल।
अंत	-	समाप्ति, अवसान, इति, उपसंहार
अंत	-	फल, अंजाम. परिणाम. नतीजा।
शब्द	-	**पर्याय**
अचल	-	पर्वत, पहाड़, गिरि, शैल, स्थावर।
अचला	-	पृथ्वी, धरती, धरा, भू, इला, अवनी
अतिथि	-	अभ्यागत, मेहमान, पाहुना।
अधर	-	ओंठ, ओष्ठ, लब, रद-पट, होंठ।
अनंग	-	कामदेव, मदन, मनोज, मयन, मन्मथ।
अनल	-	'अग्नि'।
अनाज	-	अन्न, धान्य, शस्य।
अनिल	-	हवा, वायु, पवन, समीर, वात, मरुत्
अनुकम्पा	-	कृपा, मेहरबानी, दया।
अन्वेषण	-	अनुसन्धान, खोज, शोध, जाँच
अपना	-	निज, निजी, व्यक्तिगत।
अपर्णा	-	पार्वती, शिवा, उमा, भवानी, भैरवी
अपमान	-	तिरस्कार, अनादर, निरादर।
अप्सरा	-	देवांगना, सुरबाला, सुरनारी, सुरकन्या, देवबाला, देवकन्या।
अबला	-	नारी, गृहिणी, महिला, औरत, स्त्री
अभय	-	निर्भय, निर्भीक, निड़र, साहसी
अभिप्राय	-	तात्पर्य, आशय, मंतव्य।
अँगुली	-	आँगुलिका, अँगुली, उँगली, दधिती, शक्वरी।
अँगूठी	-	अंगुली, अंगुलिका, अंगुलीय, छल्ला, छाप, मुँदरी, मुद्रिका।
अंकक	-	आमूल्यक, मूल्य-निरूपक, मूल्यांकक, मूल्यांकनकर्ता।
अंकुर	-	कलिका, कोपल, नवपल्लव, अँखुआ, अंगुसा।
अंगभू	-	अंगज, अंगभूत, आत्मज, तनय, धेवता, नंदन नकुल, सुअन, सुत
अन्तरिक्ष	-	आकाश, उच्चाकाश, खमध्य, महाकाश, महाव्योम।
अंतर्धान	-	अदृश्य, ओझल, गायब, छूमंतर, तिरोभूत, तिरोहित, लुप्त।
अंदु	-	घुंघुरू, झाँझ, नूपुर, पाजेब, पादांगद, पायल, बंधन, बेडी।
अंधकार	-	तम, तिमिर, अँधियारा, अँधेरा, रात, तमिस्र।
अंधा	-	चक्षुहीन, दृष्टिहीन, नेत्रहीन
अंश	-	अंग, अवयव, उद्धारण, घटक, चित्रांश, शरीर, सोपान, हिस्सा
अकड़	-	अनम्य, अंहकार, घमंड, दंभ, दर्प, धृष्टता, हठ।
अकस्मात्	-	अचानक, एकाएक, सहसा
अकाट्य	-	अखंडनीय, अदृश्य, अनुल्लंघनीय, अभंज्य, स्वयंसिद्ध।
अकिंचन	-	दरिद्र, निर्धन, अगतिक, अनुपाय, असहाय, कंगाल, गरीब, अक्षकीलक, कीली, धुरा, धुरी।
अक्षत	-	अनुल्लंघित, अभंजित, अविभक्त,

		कौमार्यवान ।
अक्षय	-	अनंत, अमर, शाश्वत, अपरिवर्तनीय, सनातन ।
अक्षुण्ण	-	अनष्ट, अभग्नित, अमर, अविकृत, अविभक्त, पवित्र ।
अगाध	-	अमित, असीम, निस्सीम, अतुल, अकूत, अगणनीय ।
अग्नि	-	अनल, अरुण, अशनि, आँच, आग, कृशानु, जातवेद, ज्वाला, दहन, धनञ्जय, पवि, पावक, रोहिताश्व, वहनि, वायुसुख, वैश्वानर, शिखी, समिध, छूतभुक, हुतवहा, हुताशन ।
अग्राह्य	-	अपाच्य, निषिद्ध, अनाहार्य, अस्वीकार्य
अचिर	-	अल्पजीवी, क्षणभंगुर, क्षणिक ।
अचल	-	अटल, अडिग, अवहनीय, अविचल, दृढ, निश्चल, स्थावर, स्थिर ।
अच्युत	-	अटल, अनष्ट, अमर, ईश्वर, विष्णु ।
अजीब	-	अद्भुत, अनोखा, विचित्र, विलक्षण ।
अज्ञ	-	अज्ञानी, नासमझ, मंदधी, मूढ, मुर्ख
अज़	-	दुःख, पीड़ा, मातम, शोक, अबोध ।
अतिथि	-	अभ्यागत, आगंतुक, आगत, गृहागत, पाहुन, मेहमान ।
अतुल	-	अनुपम, अद्वितीय, बेनजीर, बेजोड़, बेमिसाल ।
अत्याचार	-	अपकार, उत्पात, जुल्म, नृशंसता, अन्याय ।
अथ	-	आदि, आरम्भ, प्रारंभ ।
अधर	-	ओठ, ओष्ठ, रदपुट, लब ।
अधर्मी	-	कुत्सित, क्षुद्र, घटिया, निकृष्ट, नीच, पतित ।
अधिकार	-	अर्हता, आधिपत्य, कब्जा, दावा, स्वामित्व, हक ।
अधीन	-	अवलंबित, आश्रित, निर्भर, परवश, मातहत, वशीभूत ।
अधीर	-	आकुल, आतुर, उद्विग्न, विकल, व्यग्र
अनाथ	-	दीन, नाथहीन, निराश्रित, बेसहारा, यतीम ।
अनार	-	दाड़िम, रामबीज, शुकप्रिय, शुकोदन
अनिवार्य	-	अटल, अपरिहार्य, बाध्यकर
अनी	-	कण, कुशाग्र, छोर, धार, नोक
अनुकरण	-	अनुगमन, अनुवर्तन अनुसरण, नकल
अनुग्रह	-	इनायत, कृपा, दया, स्नेह ।
अनुदार	-	असहनशील, कठोर, निर्दय, मतांध, स्वार्थी ।
अनुपम	-	अतुल, अद्भुत, अद्वितीय, अनूठा, अनूप, अनोखा, निराला ।
अनुमान	-	अंदाज, कयास ।
अन्वेषक	-	अनुसंधानकर्ता, आविष्कर्ता, पुरातत्ववेता ।
अन्वेषण	-	अनुसंधान, खोज, गवेषण, जाँच, विश्लेष्ण, शोध ।
अपमान	-	अनादर, अवज्ञा, अवमान, तिरस्कार, बेइज्जती ।
अभिजात	-	कुलीन, योग्य, विशिष्ट, संभ्रांत
अभिप्राय	-	आशय, उद्देश्य, तात्पर्य, मंशा, मतलब
अमृत	-	अमिय, अमी, पीयूष, सुधा, सुरभोग, सोम ।
अरण्य	-	वन, विपिन, कान्तार, कानन, अटवी
अर्जुन	-	गाण्डीवधारी, गुडाकेश, धनंजय, पार्थ, सव्यसाची ।
अवनति	-	उतार, गिरावट, अपकर्ष, घटाव, ह्रास
अश्व	-	घोटक, घोड़ा, तुरंग, बाजी, सैंधव, हय
असुर	-	दनुज, दानव, दैत्य, निशाचर, रजनीचर, तमचर, राक्षस, सुरारि ।
अस्त	-	अदृश्य, ओझल, गायब, तिरोहित, लुप्त
अहंकार	-	अभिमान, गुमान, गरूर, घमंड, दंभ, दर्प

- दूसरों को जान से मार डालने वाला - हत्यारा
- वह जिसके पास संपत्ति या अधिकार सौंपा गया हो – हस्तांतरित
- जिसे देखकर लोग मजाक उड़ाएँ - हास्यास्पद
- भला या हित चाहने वाला - हितैषी
- जो हाथ से लिखा गया हो - हस्तलिखित
- जो बात हृदय को आकृष्ट करे – हृदयावर्जक
- हवन से संबंधित सामग्री – हवि
- जिसे देख सुनकर हृदय फटता हो – हृदय विदारक
- सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है - **हरावल**
- दूसरे के काम में दखल देना - **हस्तक्षेप**
- हृदय से संबंधित - **हार्दिक**
- दूसरों के हित की इच्छा - **हितैषणा**
- हित चाहने वाला - **हितैषी / हितेच्छु**
- जो बात हृदय में अच्छी तरह बैठ गई हो – **हृदयंगम**
- हवन करने योग्य - **होतव्य**
- यज्ञ में आहुति देनेवाला - **होता**
- यज्ञ के लिए निर्धारित अग्नि - **होमाग्नि**

अध्याय – 15

मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

मुहावरा :- मुहावरा बात कहने की एक शैली है। यह अरबी भाषा के 'मुहावर' शब्द से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- अभ्यास करना या बातचीत "लक्षणा व व्यंजना द्वारा वह शुद्ध वाक्य जो किसी बोली जाने वाली भाषा में प्रचलित होकर रुढ़ हो गया हो तथा प्रत्यक्ष अर्थ के बजाए सांकेतिक अर्थ देता हो।"

"मुहावरा" कहलाता है, जैसे खिचड़ी पकाना, लाठी खाना, नाम धरना आदि ।

लोकोक्तियाँ / कहावतें

लोकोक्ति का अर्थ है 'लोक समाज में कही जाने वाली उक्तियाँ' तथा कहावत का अर्थ है 'कही जाने वाली बात ।'

ऐसा वाक्य जो चमत्कृत ढंग से संक्षेप में, किसी सत्य या नीति का आशय, सशक्त रूप से व्यक्त करे तथा अधिक समय तक प्रयोग में आकर जनजीवन में प्रचलित हो गया हो लोकोक्ति/ कहावत कहलाती है।

लोकोक्तियों / कहावतों की निम्न विशेषताए होती हैं :

1. लोकोक्तियाँ / कहावतें प्रत्यक्ष अर्थ नहीं बल्कि सांकेतिक अर्थ देते हैं।
2. लोकोक्तियाँ / कहावतों में जीवन के गहरे तथा मूल्यावान अनुभव छिपे रहते हैं, इसलिये इन्हें ज्ञान की पितरियाँ कहा जाता है।
3. लोकोक्तियाँ / कहावतें एक व्यक्ति से सम्बन्धित न होकर 'जन साधारण की धरोहरें' होती हैं ।

अपना उल्लू सीधा करना	=	स्वार्थ सिद्ध करना
अपनी खिचड़ी अलग पकाना	=	सबसे अलग रहना
अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना	=	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	=	स्वयं को हाँनि पहुँचाना
अपने पैरों पर खड़े होना	=	आत्मनिर्भर होना
अक्ल पर पत्थर पड़ना	=	बुद्धि भ्रष्ट होना
अक्ल के पीछे लट्ठ लेकर फिरना	=	मूर्खता प्रदर्शित करना
अंगूठा दिखाना	=	कोई वस्तु देने या काम करने से इंकार करना

अँधे की लकड़ी होना	=	एक मात्र सहारा
अच्छे दिन आना	=	भाग्य खुलना
अंग-अंग फूले न समाना	=	बहुत खुशी होना
अंगारों पर पैर रखना	=	साहसपूर्ण खतरे में उतरना
आँख का तारा होना	=	बहुत प्यारा
आँखें बिछाना	=	अत्यन्त प्रेम पूर्वक स्वागत करना
आँखें खुलना	=	वास्तविकता का बोध होना
आँखों से गिरना	=	आदर कम होना
आँखों में धूल झोंकना	=	धोखा देना
आँख दिखाना	=	क्रोध करना/ड़राना
आटे दाल का भाव मालूम होना	=	बड़ी कठिनाई में पड़ना
आग बबूला होना	=	बहुत गुस्सा होना
आग से खेलना	=	जानबूझ कर मुसीबत मोल-लेना
आग में घी डालना	=	क्रोध भड़काना
आँच न आने देना	=	हानि या कष्ट न होने देना
आड़े हाथों लेना	=	खरी-खरी सुनाना
आनाकानी करना	=	टालमटोल करना
आँचल पसारना	=	याचना करना
आस्तीन का साँप होना	=	कपटी मित्र
आकाश के तारे तोड़ना	=	असंभव कार्य करना
आसमान से बातें करना	=	बहुत ऊँचा होना
आकाश सिर पर उठाना	=	बहुत शोर करना
आकाश पाताल एक करना	=	कठिन प्रयत्न करना
आँख का काँटा होना	=	बुरा लगना
आँसू पीकर रह जाना	=	भीतर ही भीतर दुःखी होना
आठ-आठ आँसू गिराना	=	पश्चाताप करना
इधर-उधर की हाँकना	=	बेमतलब की बातें करना
इतिश्री होना	=	समाप्त होना
इस हाथ लेना उस हाथ देना	=	हिसाब-किताब साफ करना
ईद का चाँद होना	=	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
ईंट से ईंट बजाना	=	नष्ट कर देना
ईंट का जवाब पत्थर से देना	=	कड़ाई से पेश आना
आँसू पोंछना	=	सान्त्वना देना
आँखें तरेरना	=	क्रोध से देखना
आकाश टूट पड़ना	=	अचानक विपत्ति आना
आग लगने पर कुआँ खोदना	=	ऐन मौके पर उपाय करना
उंगली उठाना	=	निन्दा करना/लाँछन लगाना
उन्नीस-बीस का फर्क होना	=	मामूली फर्क होना
उल्टी गंगा बहाना	=	प्रचलन के विपरीत कार्य करना
उड़ती चिड़िया पहचानना	=	बहुत अनुभवी होना
उल्लू बनाना	=	मूर्ख बनाना
उँगली पर नचाना	=	वश में करना
उल्लू सीधा करना	=	अपना स्वार्थ देखना
एक और एक ग्यारह होना	=	एकता में शक्ति होना
एक लाठी से हाँकना	=	सबसे एक जैसा व्यवहार करना
एक आँख से देखना	=	समदृष्टि होना/भेदभाव न करना
एडी चोटी का जोर लगाना	=	बहुत कोशिश करना
एक ही थाली के चट्टे-बट्टे होना	=	एक प्रवृत्ति के होना
ओखली में सिर देना	=	जानबूझ कर विपत्ति में फँसना
ओढ़ लेना	=	जिम्मेदारी लेना
और का और होना	=	एकदम बदल जाना

Chapter – 1

Time And Tense

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है।

Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है। चलिए नीचे दिए गए उदाहरणों पर हम लोग विचार करते हैं -

1. Veena goes to the market every Sunday.
2. The plane takes off at 5 p.m. tomorrow.
3. He had no money yesterday.

उदाहरण (1) में Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है। लेकिन इससे Past, Present, और Future तीनों का बोध होता है, वीणा Past time में प्रत्येक रविवार को जाती है और आशा है कि Future time में भी प्रत्येक रविवार को जाएगी।

उदाहरण (2) में स्पष्ट होता है कि प्लेन (plane) कल 5 बजे शाम को प्रस्थान करेगा। इस वाक्य में भी Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है, लेकिन इससे future time का बोध होता है।

उदाहरण (3) में Simple Past Tense का प्रयोग किया गया है, तथा इससे past time का बोध होता है।

ऊपर दिए गए उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि Verb के Present Tense में रहने पर भी इस पर Present, Past और Future Time का बोध होता है।

अत; Verb के Tense तथा इसके प्रयोग को सावधानी से समझने की जरूरत है सर्वप्रथम एक प्रश्न उठता है कि Tense क्या है? इस प्रश्न का उत्तर किस प्रकार है :

Tense : कार्य के समय के मुताबिक Verb के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

1. Present Tense (वर्तमान काल)
2. Past Tense (भूतकाल)
3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने, हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -

1. I read a book
   मैं पुस्तक पढ़ता हूँ ।
2. I am reading a book
   मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ ।
3. I have read a book
   मैं पुस्तक पढ़ चुका हूँ।
4. I have been reading a book for an hour
   मैं दो घंटे से पुस्तक पढ़ता रहा हूँ।

2. Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time. जैसे -

1. I wrote a letter.
   मैं पत्र लिखता था या मैंने पत्र लिखा।
2. I was writing a letter.
   मैं पत्र लिख रहा था।
3. I had written a letter.
   मैं पत्र लिख चुका था या मैंने पत्र लिखा था
4. I had been writing a letter for two days.
   मैं दो दिनों से पत्र लिख रहा था

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने, हो रहा होगा क्या होता रहे गा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे –

1. I shall write a letter.
   मैं पत्र लिखूंगा।
2. I shall be writing later.
   मैं पत्र लिख रहा हूंगा।
3. I shall have written a letter.
   मैं पत्र लिख चुका हूंगा।
4. I shall have been writing a letter.
   मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा।

उपयुक्त उदहारण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार -चार उपभेद होते हैं।

1. Present Tense

Present Tense के चार उपभेद होते हैं।

1. Present Indefinite Tense /Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
3. Present Perfect Tense(पूर्ण वर्तमान काल)
4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

I. Simple Present Tense

Structure :

Positive:-

Subject +main verb +s/es+Object

Ex-Ram reads books.

Negative:-

Subject+do/does+not+main verb+Object

Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

Ist type:-

Do/does+subj+not+main verb+Object+?

2nd type :-WH words + Ist type

Ex- Does ram read books?

यदि subject एकवचन(He ,She ,It ,name) होगा तो main verb में s या es लगायेंगे और अगर subject बहुवचन(you ,we,they) होगा तो main verb में s या es नहीं लगायेंगे I

जैसे :-

ram **reads** books.

they **read** books.

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual, or regular or repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

Mukesh goes to bed at 10 P.M.

He always comes here on Sunday.

She reads a newspaper every morning.

He takes tea without sugar.

We work eight hours a day.

I live at Mahendru.

Shweta and Anshu are girls.

I get up at 6 a.m. every morning.

Note : सामान्यत: Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) जैसे -

always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twise a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि उपरोक्त Adverbs का प्रयोग होने पर Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे-

He always comes here at night.

He generally comes here at night.

He usually comes here at night.

He sometimes comes here at night.

He often comes here at night.

He rarely comes here at night.

He seldom comes here at night.

He never comes here at night.

Rule (2) : इस Tense का प्रयोग Universal truth (नैसर्गिक सत्य) principal (सिद्धांत) permanent activities (स्थायी कार्य व्यापार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

The Ganges springs from the Himalayas.

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

This pen belongs to me.

I have a car.

He owns a big building.

Rule (4) : इस Tense का प्रयोग mental activity (मानसिक क्रिया कलाप), emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे

Note : notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love,hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अत : इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है I

Rule (5) : Simple Present Tense का प्रयोग आने वाले समय में होने वाले सुनियोजित कार्यक्रम (fixed programme) तथा सुनियोजित योजना (fixed plan) को (express) (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

कॉलेज पुन :अक्टूबर को खुलेगा।

He goes to Chennai next month.

वह अगले महीने चेन्नई जाएगा।

She leaves for New York next Monday.

अगले सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेगी।

The prime minister comes here tomorrow.

प्रधानमंत्री कल यहां आएंगे।

My brother returns tomorrow.

मेरा भाई कल लौटेगा।

Note : इस तरह के वाक्यों में future time expressing Adverbs.

जैसे- Tomorrow, next day, next night, next month, next year, next week, In January, In February, In march ..... on Monday, on Tuesday. .....etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (6) : Conditional sentence (शर्त सूचक वाक्य) मे सामान्यतः दो Clauses का प्रयोग होता है।

इनमें एक Principal Clause तथा दूसरा subordinate Clause होता है।

Subordinate Clause – यदि वाक्य if, when, before, after, till, until, unless, as soon as, as long as, in case से स्टार्ट होते हैं, तो इनके साथ Simple Present Tense का प्रयोग होता है। तथा Principal Clause के साथ Simple Future Tense का प्रयोग होता है जैसे –

Subordinate clause –

Simple present tense,

Ex-**If you run fast**,You will win the race.

यदि तुम तेज दौड़ोगे,तो तुम रेस में जीत जाओगे।

Principal clause:-

Simple future tense

When he comes here, **he will help me.**

जब वह यहाँ, आएगा वह मेरी मदद करेगा।

Unless she works hard, she will not succeed.

यदि वह कठिन परिश्रम नहीं करेगी, वह सफल नहीं हो पाएगी।

I shall teach her , **if she comes**.

Principal clause Subordinate clause

मैं उसे (स्त्री) पढ़ाऊंगा , यदि वह आएगी

Rule (7) : Here or There से स्टार्ट होने वाले exclamatory sentence मे Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -

Here comes they !

There goes the bus!

Rule (8) : आंखों देखा हाल का प्रसारण (मैच, आयोजन, कार्यक्रम, नाटक, फिल्म, सीरियल आदि) रेडियो या टेलीविजन के द्वारा करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे –

Ganguly runs after the ball, catches it and throws it on the stumps.

In the film, my elder brother plays the role of Dashrath.

Rule (9) : Author (लेखक) के statement (कथन) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -

Shakespeare says, " The course of true love never runs smooth".

Keats says, " A thing of beauty is a joy for ever".

Rule (10) : History (इतिहास) के past events (बीते हुए घटनाओं) को जीवंत या ताजा बना कर दिखाने के लिए Present Continuous Tense का प्रयोग होता है जैसे-

Babar crosses the plains, Ibrahim opposes him with a large army.

At last, Ram kills Ravan.

2. Present Continuous Tense:-

Structure :-

Positive:-

Subject+is/are/am+M.Ving +Object

Ex- Ram is going to market.

Negative:-Subject+is/are/am+not+M.Ving+Object

Ex- Ram is not going to market.

Interrogative:-

Isttype:- Is/are/am+Subj+not+M.Ving+Object+?

2nd type :-WH words + Ist type

Ex-Is ram going to market?

Ex-Where is ram going?

Use of Present Continuous Tense:-

Rule (1) : Present Continuous Tense का प्रयोग ऐसे (Actions) कार्यों के लिए होता है, जो बोलने के वक्त जारी हो (continued) हो।

An action going on at the time of speaking. **जैसे** -

1) Mukesh is coming now.
2) They are playing.
3) The girls are playing the kho - kho.
4) Vinay is playing cricket.
5) She is writing her name on the blackboard.
6) Your teacher is teaching chapter '5'.

Note : now, at present, at the moment, this morning, currently, this evening. आदि समय सूचक शब्दों का प्रयोग Present Continuous Tense में होता है जैसे -

1) Mr. Jha is teaching mathematics at present.
2) He is reading a novel now.
3) She is knitting a sweater at the moment.
4) They are washing the plates this morning.

Rule (2) : इसका Tense प्रयोग वैसे अस्थायी कार्य (temporary action) के लिए होता है, जो बोलने के वक्त

Rule (8) : कुछ Exclamatory sentence हैं जिसे Assertive sentence में किसी खास नियम को folllow (अनुकरण)कर Transform नहीं किया जाता हैं ! बल्कि different (विभिन्न) mehods से Transform किया जाता हैं ! जैसे –

Exclamatory

1. What might be done , if I men were wise !
2. Too Late ! Too Late ! he is now no more.
3. Well done !
4. How sweet are the uses of adversity!

Assertive

1. Great things might be done , if men were wise.
2. It is now too late,he is no more.
3. That was well done . Or you have done well.
4. Sweet Indeed, are the uses of adversity.

C. Assertive Sentence से Exclamatory Sentence में Transform (बदलने) करने का तरीका :

Exclamatory sentence से Assertive sentence में Transform (बदलने) करने की विपरीत प्रक्रिया (opposite process) को अपना कर Assertive sentence से Exclamatory sentence में Transform किया जाता हैं !

इन वाक्यों को देखें :

Assertive

1. It is a very horrible sight.
2. She dances very beautifully.
3. Man is a strange piece of work.
4. You are a great fool.
5. It is a lovely garden.

Exclamatory

1. What a horrible sight !
2. How beautifully she dances !
3. What a piece of work man is !
4. What a fool you are !
5. What a lovely garden it is !

Chapter – 5

Use of Article

- **Article**

Articles '**adjective**' के जैसे होते हैं क्योंकि ये सामान्य (general) या विशेष (specific) रूप से noun की विशेषता बताते हैं।

'A', 'An' एवं 'The', 'Articles' कहलाते हैं।

Articles दो प्रकार के होते हैं। :-

(I) Indefinite articles या general articles (A, An)

"A" ओर "An" indefinite articles होते हैं ये noun के बारे में सामान्य जानकारी देते हैं और जो भी जानकारी दे रहे होते हैं उसको पहली बार बताया जा रहा होता है उसके बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं होती है ,ये countable nouns के एकवचन रूप (singular form) के साथ प्रयोग किये जाते हैं।

Ex1 - यह कुर्सी है। = This is a chair.

Ex2 – मुझे पेन की जरूरत है। = I need **a** pen.

Ex3 – एक गाँव था। = There was a village.

Ex4 -सीता ने गाना गाया।= Sita sang a song.

- इस वाक्य में एक सामान्य जानकारी दी जा रही है और यहाँ pen,village,song के बारे में पहली बार जानकारी (first information) दी जा रही है, इसलिए यहाँ article "a" का प्रयोग किया गया है।
- इन हिंदी वाक्यों में 'एक' नहीं होते हुए भी, इनका अंग्रेजी अनुवाद करते समय हमने 'A / An ' का प्रयोग किया है।
- वाक्यों में Singular Countable Noun से पूर्व,(यदि वह अनिश्चित है) Article 'A / An' का प्रयोग अवश्य किया जाता है। इन वाक्यों का यह अनुवाद गलत है :-

(a). This is chair. (incorrect)

(b). Sita Sang song. (Incorrect)

Other example of indefinite articles ('A','AN'):-

1. My daughter really wants **a** dog for Christmas.
2. When I was at the zoo,I saw **an** elephant!

यहाँ Ex-1 कोई भी सामान्य से dog की बात की जा रही है और Ex-2 में एक सामान्य Elephant की बात की गयी है इसलिए dog और Elephant के पहले article 'a " का प्रयोग किया गया है।

(2) Definite articles या specific articles(The) :-

"The" definite article होता है। ये noun के विशेष रूप (specific form) को दर्शाता हैं जैसे कोई एक विशेष(unique)वस्तु, ऐसी वस्तु जिसके बारे में

वक्ता(speaker) को पहले से जानकारी हो या जिसके बारे में वाक्य में पहले बताया गया हो। जैसे :-

Ex-1 –She brought **a** saree.= उसने एक साड़ी खरीदी।

यहाँ इस वाक्य में उसने कोई भी एक सामान्य साड़ी खरीदी इसलिए इस वाक्य में saree के पहले indefinite article "a " का प्रयोग किया गया है।

The saree is very costly = साड़ी बहुत महंगी है।

इस वाक्य में कोई सामान्य साड़ी की बात नहीं हो रही है यहाँ एक ऐसी साड़ी की बात की गयी है जिसकी जानकारी वक्ता (speaker) को पहले से है इसलिए यहाँ साड़ी से पहले The का प्रयोग किया गया है।

ex-2 –**The** sun sets in the west.=सूरज पश्चिम में छिपता है।

यहाँ sun एक विशेष(unique) वस्तु है। और west एक विशेष (unique)दिशा(direction) है इसलिए इनसे पहले the का प्रयोग किया गया है।

Other example of definite article (The)

Ex-1 –**The** man who wrote this book is famous.

यहाँ एक विशेष man की बात हुई है जिसने book लिखी है। इसलिए यहाँ man से पहले the का प्रयोग किया गया है।

Ex-2-I live in **the** small house with blue door

यहाँ house के बारे में वक्ता(speaker) को पहले से जानकारी है इसलिए house से पहले the का प्रयोग किया गया है।

ARTICLE का प्रयोग कहां होता है?

She is _____ excellent.

- कई लोग ' excellent ' देख तुरंत 'an' का प्रयोग कर देते हैं परंतु इस वाक्य में कोई article का प्रयोग नहीं होगा क्योंकि 'excellent ' के बाद कोई noun नहीं है।
- अगर किसी वाक्य में article है तो noun भी अवश्य होना चाहिए अगर ऐसा नही है तो वह वाक्य पूरी तरह से गलत होगा।

जैसे :- she is an excellent student. (✓)

Sakshi is an extremely beautiful. (×)

(adverb) (adjective)

यहाँ " extremely" adverb है और" beutiful"adjective है इस वाक्य में noun नहीं है इसलिए ये वाक्य पूरी तरह से गलत है।

- Article का प्रयोग noun के पहले होता है।

जैसे :- she is a student.

Noun

- अगर noun की विशेषता बताने वाला adjective वाक्य में मौजूद हो तो article का प्रयोग adjective के पहले होगा।

जैसे :- she is an excellent student.

Adj. Noun

- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा।

जैसे :- she is a very excellent student.

Adv. Adj. Noun

Indefinite articles (A, An) का प्रयोग कहां किया जाता है?

1. A / An का प्रयोग अनिश्चित (Indefinite) singular countable Noun से पूर्व किया जाता है। (निश्चित होने पर Noun के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है)

इसलिए A / An को Indefinite articles कहा जाता है ; जैसे :-

(a). I have a car.

(b). He sang a song

(c). This is an orange.

(d). Ram is a student.

नोट :- 'Noise' uncountable Noun है। फिर भी इसके साथ Article 'a' का प्रयोग होता है।

जैसे :- do not make a noise.

नोट :- अंग्रेजी भाषा में A,E,I,O,U स्वर और सामान्यत (generally) इनसे पहले हम An का प्रयोग करते है। लेकिन हम हिन्दी में आने वाले स्वर अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ऐ...को प्राथमिकता (priority) देते हैं ,अगर अंग्रेजी भाषा के किसी शब्द का उच्चारण (pronounciation) अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ऐ... से शुरु हो रहा हो तो हम an का प्रयोग करते है। जैसे-

An Umbrella	अंब्रेला
A Union	यूनियन
A One rupee note	वन
A Europe	यू
An honest man	ऑनेस्ट

Abbreviation में भी उच्चारण के अनुसार चलो

जैसे :-

(a) He is **an** MLA /MP (एम.एल.ए./एम.पी)

(b) He lodged **an** FIR. (एफ.आई.आर.)

(c) He is **an** IAS officer. (आई.ए. एस.)

(d) He is **an** SDO. (एस.डी. ओ)

(e) I have **an** X-ray machine. (एक्स-रे)

(f) She in **an** LLB. (एल. एल.बी.)

(g) I have been waiting for **an** hour. (आवर)

(h) He is **an** heir to the throne. (एयर)

(i) Ram is **an** honest person. (ऑनेस्ट)

कुछ अन्य उदाहरण

1. **An** honour.
2. **An** honorable person.
3. **An** heir.
4. **A** house.
5. **An** honorarium.
6. **A** historical monument.
7. **An** eagle.
10. **A** European.
11. **A** Universit
12. **A** unique planet
13. **A** one-rupee note
14. **An** F.O
15. **A** member of parliament.

2. Exclamatory वाक्य में ' What / how ' के बाद व singular Countable nouns से पूर्व A / An का प्रयोग किया जाता है ;

जैसे :- (a) what a grand building!

(b) what a pretty girl!

3. 'प्रतिमाह' या 'प्रति वस्तु कीमत ' के संदर्भ में प्रयोग करने पर A / An का प्रयोग किया जाता है।

जैसे :- (a) This car runs twenty kilometers a litre.

(b) I earn Rs. Ten thousand a month.

(c) This train runs seventy kms. an hour.

4. कुछ गिनती बताने वाले शब्द जैसे :- hundred, thousand, million, dozen, couple से पूर्व 'a' लगता है।

जैसे :-

(a) **A** dozen pencils were bought by her.

(b) I have **a** hundred pens.

5. **Half / fractions** से पूर्व a का प्रयोग निम्न प्रकार से किया जाता है; जैसे :-

(a). 2.25Metre-two and **a** quarter metre.

(b). 3.50 kilo - three and **a** half kilo.

(c). She has to Run half **a** mile everyday.

6. जब वाक्य में **Verb** (क्रिया) का प्रयोग Noun की तरह किया जाता है, उससे पहले A / An लगाया जाता है;

जैसे :-

(a). He goes for **a** walk daily.

(b). He has gone for **a** ride.

(c). I had **a** long talk with them.

(d). I want to have **a** drink.

7. Many / rather / quite / such के बाद यदि singular noun आता है तो noun के पूर्व A / An का प्रयोग किया जाता है; जैसे :-

(a). Many a citizens would welcome such a change.

(b). It is rather a pity.

(c). It was quite an impossible task.

(d). It was such a foolish decision.

8. कुछ विशेष phrases में A / An का प्रयोग होता है;

In a fix, in a hurry, in a nutshell, make a noise, make a foot, keep a secret, As a rule, at a stone's throw, a short while ago, at a loss, take a fancy to, take an intereste in, take a liking, a pity, tell a lie, a matter of chance.

जैसे :- (a) never tell a lie.

(b) do not make a noise.

(c) Twelve inches make a foot.

A/An का प्रयोग निम्न स्थिति में नहीं करना चाहिए :-

कुछ phrases के साथ article का प्रयोग नहीं होता है जैसे:-

To loss heart, to set foot, to give ear, at home, last but not least, to catch fire, in hand, set on fire, by car/bus etc., at last, by mistake, in danger, to take heart.

जैसे :- (a) I am at home.

(b) the house was set on fire.

(c) I go to college by bus.

(1) किसी भी plural noun से पूर्व A / An का प्रयोग नहीं किया जाता है।

जैसे :-

A boys have come. (Incorrect)

Boys have come. (correct)

The boys have come. (correct)

(2) Uncountable nouns से पूर्व A /An का प्रयोग सामान्यतः नहीं किया जाता है ; जैसे :- advice, accommodation, baggage, luggage, news, permission, progress, scenery, weather, traffic, knowledge, music, wine, equipment, information, poetry, furniture, hair, business, mischief, bread, stationery crockery, postage, wastage, money, jewellery, breakage, work, evidence. **जैसे :-**

(a) he gave me an advice.
(remove 'an')

(b) I will buy a furniture today.
(Remove 'a')

(ii) लेकिन Roman figures के पहले The का प्रयोग नहीं होता है। **जैसे -**

- King George the V (x)
- King George V (✓)
  [read as king George the fifth]
- Queen Elizabeth the II (x)
- Queen Elizabeth II (✓)
  [read as Queen Elizabeth the second]

ध्यान दें :

1. Next / last + time expressing words [समय सूचक शब्दों **जैसे**- week / month / year / day / night /morning / evening / noon / after noon / midnight / Monday, Tuesday,.....etc/ January, February.....etc. I के पहले का प्रयोग नहीं होता है। **जैसे -**

Wrong		Right	
The last week	(x)	Last week	(✓)
The next month	(x)	Next month	(✓)
The last march	(x)	Last march	(✓)
The next morning	(x)	Next morning	(✓)
The last night	(x)	Last night	(✓)
The next Monday	(x)	Next Monday	(✓)
The last year	(x)	Last year	(✓)
The next day	(x)	Next day	(✓)

- The Director comes here next week. (✓)
- The director comes here the next week. (x)
- He came here last night. (✓)
- He came here the last night. (x)
- I saw a beggar last Monday. (✓)
- I saw a beggar the last Monday. (x)

2. At first, At last का प्रयोग The के बिना होता है, अर्थात At the, first, At the last का प्रयोग नहीं होता है।
3. नीचे दिए गए Table को ध्यान से पढ़ें और समझें।

With 'The' (period of time)	Without 'The' (point of time)
For the last week	Since last week
For the last month	Since last month
For the last year	Since last year
For the last century	Since last century
For the last Monday	Since last Monday
	Or Since Monday last
For the last two days	Since last two days
For the last two weeks	Since last two days
For the last two weeks	Since last two weeks
For the last two years	Since last two years
For the last two months	Since the last two Months

With 'The' (period of time)	Without 'The' (point of time)
For the last week	Since last week
For the last month	Since last month
For the last year	Since last year
For the last century	Since last century
For the last Monday	Since last Monday or Since Monday last
For the last January	Since January last or Since last January
For the last two days	Since last two days
For the last two weeks	Since last two weeks
For the last two years	Since last two years
For the last two months	Since the last two months

Rule (20) : The का प्रयोग अविष्कार (Invention) की गई वस्तुओं के नाम के पहले होता है। जैसे -

- The television or The TV. (✓)
- The wireless (✓)
- The telephone (✓)
- The telescope (✓)

Chapter – 9

Synonyms and Antonyms

Most Repeated Synonyms

S. No	Word	Meaning	Synonyms
1.	Genuine	Truly what something is said to be (वास्तविक)	Real, True, Actual, Honest , Sincere, Veritable, Authentic, Original
2.	Laconic	Brief (संक्षिप्त)	Crisp, Brusque, Pithy, Terse, Compendious, Concise, Succinct
3.	Diligent	Having a showing care and conscientiousn ess in one's work or duties (मेहनती)	Industrious, Careful, Assiduous, Tireless, Attentive, Indefatigable
4.	Insolent	Showing a rude and arrogant lack of respect (बदतमीज)	Impudent, Rude, Impertinent, Disrespectful, Brazen, Bold
5.	Sordid	Involving immoral or dishonourable actions and motives / Arousing moral distaste and contempt (घिनौना)	Unpleasant, Low, Mean, Dirty Foul, Squalid, Base, filthy
6.	Transient	Lasting only for a short time / Impermanent (अस्थायी)	Temporary, Ephermal, Passing, Brief, Momentary
7.	Abandon	Cease to support or look after (someone) / desert (छोड़ देना)	Forsake, Leave, Quit, Desert, Relinquish, Renounce, Surrender
8.	Accede	Agree to a demand request or treaty (मान लेना)	Consent, Join, Agree, Adhere, Assent, Accept
9.	Adversity	A difficult or unpleasant situation (विपत्ति)	Misery, Misfortune, Hardship, Distress, Affliction, Disaster
10.	Affluent	Having a great deal of money / wealthy (धनी)	Prosperous, Wealthy, Rich, Moneyed, Opulent, Loaded
11.	Candid	Truthful and straightforwar d (निष्कपट)	Frank, Honest, Open, Direct, Outspoken, Sincere
12.	Cantan - kerous	Bad tempered argumentative and uncooperative (झगड़ालू)	Quarrelsome, Bellicose, Crabby, Cranky, Crotchery, Testy
13.	Coarse	Rough or Harsh in texture (खुर्दरा)	Rough, Rude, Crude, Gross, Vulgar, Unrefined, Uncouth

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

14.	Condemn	Express complete disapproval of / Censure (निंदा करना)	Criticize, Castigate, Censure Chide, Punish, Sentence
15.	Convict	Person found guilty (दोषी ठहराना)	Culprit, Captive, Felon, Prisoner, Repeater
16.	Defer	put off (an action or event) to a later time (टालना)	Postpone, Delay, Put off, Suspend, Shelve, Adjourn
17.	Deliberate	Done consciously and intentionally (जानबूझ के किया हुआ)	Intentional, Ponder, Consider, Premeditated, Reflect
18.	Eminent	Famous and respected within a particular sphere (of a person) (प्रख्यात)	Renowned, Famous, Prominent, Distinguished, Superior, Illustrious, Celebrated, Notable
19.	Enigmatic	Puzzling (रहस्यपूर्ण)	Puzzling, Mysterious, Cryptic, Obscure, Perplexing, Baffling
20.	Eternal	Lasting or existing forever / Without end (सार्वकालि)	Ageless, Abiding, Continual, Enduring, Everlasting, Indestructible, Timeless
21.	Feign	Pretend to be affected by(a feeling, state, or injury) (बहाना करना)	Sham, Counterfeit
22.	Hoodwink	Deceive or trick (छलना)	Deceive, Trick, Fool, Cheat, Mislead, Bamboozle
23.	Hurdle	A problem or difficulty that must be overcome (बाधा)	Barrier, Hindrance, Obstruction, Impediment, Vault
24.	Impeccable	In accordance with the highest standards (त्रुटिहीन / अवगुणरहीत)	Faultless, Perfect, Flawless, Spotless, Immaculate, Blameless
25.	Intrepid	Fearless / Adventurous (निडर)	Gallant, Courageous, Fearless, Heroic, Plucky Spunky
26.	Jubilant	Feeling or expressing great happiness and triumph (प्रफुल्लित)	Rejoicing, Joyful, Happy, Elected, Exultant, Pleased, Glad
27.	Lethal	Sufficient to cause death (जानलेवा)	Fatal, Deadly, Mortal, Malignant, Toxic, Poisonous
28.	Meticulous	Showing great attention to detail / Very careful and precise (अतिसावधा)	Careful, Scrupulous, Particular, Punctilious, Precise, Accurate, Fastidious
29.	Nefarious	Wicked or criminal	Wicked, Villainous,

		(बदमाश)	Atrocious, Vile, Evil, Sinful, Vicious
30.	Obscene	Offensive or disgusting by accepted standards of morality and decency (अश्लील)	Indecent, Dirty, Lewd, Filthy, Smutty, Gross, Vulgar
31.	Prudent	Acting with or showing care and thought for the future (विवेकी)	Wise, Careful, Coutious, Judicious, Sensible, Discreet, Frugal
32.	Rectify	Put right / Correct (सुधारना)	Correct, Remedy, Redress, Repair, Improve, Adjust
33.	Scorn	A feeling and expression of contempt or disdain for someone or something (तिरस्कार करना)	Condemn, Disdain, Contempt Despise, Ridicule, Disregard
34.	Solitary	Done or existing alone (अकेला)	Lonely, Alone, Single, Individual, Isolate, Sole
35.	Spurious	Not being what it purports to be (जाली)	Fake, False, Bogus, Sham, Counterfeit, Fraudulent, Artificial
36.	Stringent	Strict, precise, and exacting (of regulations, requirements,	Strict, Harsh, Rigorous, Serious, Severe,Rigid
		or conditions) (कठोर)	
37.	Taciturn	Reserved or uncommunicative in speech (of a person) / Saying little (अल्पभाषी)	Reticent, Silent, Reserved, Uncommunicative, Quiet, Speechless, Mute
38.	Abeyance	A state of temporary disuse or suspension (निलंबन)	Suspension, Pause, Cessation, Intermission, Dormancy, Interruption, Delay
39.	Abrogate	Repeal or do away with (a law, right, or formal agreement) (निष्प्रभाव करना)	Repeal, Abolish, Renege, Anull, Cancel, Revoke, Reject
40.	Abstain	Restrain oneself from doing something (परहेज रखना)	Refrain, Forbear , Eschew, Avoid, Withhold
41.	Accurate	Correct in all details (यथार्थ)	Precise, Authentic, Detailed, Exact, Meticulous, Specific
42.	Acquaint	Make someone aware of or familiar with (परिचय कराना)	Introduce, Inform, Apprise, Familiarise, Advise, Notify, Present
43.	Acute	Having or showing a	Sharp, Keen, Severe,

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNIc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjI4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)

whatsapp - https://wa.link/lrn74q 1 web.- https://wa.link/lrn74q

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
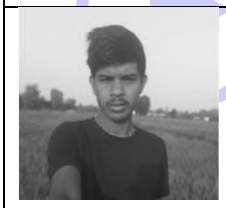	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
	Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379	Jind (Haryana)

And many others.....

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/lrn74q

Online order करें – http://surl.li/rbhbb

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE